शुष्क बागवानी समाचार

भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान

बीछवाल-बीकानेर- 334006 (राजस्थान)

जुलाई– दिसम्बर, 2014 अंक – 14 क्रमांक– 2

निदेशक की कलम से.....

मुझे, भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर, राजस्थान के इस छःमाही समाचार पत्र को जारी करते हुए खुशी हो रही है। प्राथमिक रूप से, यह संस्थान देश के गर्म शुष्क और अर्ध–शुष्क क्षेत्रों में शुष्क बागवानी की वृद्धि और विकास में कार्यरत है। संस्थान शुष्क बागवानी की वृद्धि और विकास के लिए अनुसंधान योग्य मुद्दों और रणनीतियों की पहचान करता है। इन तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए संस्थान में बागवानी फसलों में अधिक उपज और गुणवत्तायुक्त उत्पादन, सूखा–पाला सहिष्णु और कीट–व्याधि प्रतिरोध के लिए आनुवंशिक सुधार पर मुख्य बल दिया जाता है। इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए, पौध प्रजनन के विभिन्न साधन और तकनीक, जैव–प्रौद्योगिकीय विधियां, कायिक दृष्टिकोण, पौध स्वास्थ्य प्रबंधन तकनीक विकसित की जा रहीं हैं। निःसंदेह, शुष्क बागवानी में मूल्य संवर्धन का क्षेत्र बहुत व्यापक है और गर्म शुष्क क्षेत्रों के निर्धन ग्रामीणों के जीवनोत्थान की लिए इसकी शीघ्र आवश्यकता भी है। अतः यह संस्थान इस ओर ध्यान देते हुए शुष्क बागवानी फसलों के समुचित रख–रखाव, परिपक्वता मानक, परिरक्षण, मूल्य संवर्धन तथा तुड़ाई उपरांत प्रबधन की मानक तकनीकियां विकसित करने का प्रयास कर रहा है। इस संस्थान ने देश के गर्म और अर्ध शुष्क क्षेत्रों के किसानों को एक बेहतर जीवन जीने के मार्ग में प्रौद्योगिकीय सहायता/नवोन्वेशन तकनीक उपलब्ध करवायी है। उपरोक्त संदर्भ में इस संस्थान द्वारा पिछले छः महीनों में किए गये कार्यों पर संक्षिप्त रूप में इस समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाश डाला जा रहा है।

(सतीश कुमार शर्मा)
निदेशक

अनुसंधान ज्योति

1. बीकानेर

तर-ककड़ी की उन्नत पंक्तियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन : तर ककड़ी की उपलब्ध उन्नत पंक्तियों का वर्ष 2014 के वर्षा मौसम में वृद्धि और उपज गुणों के लिए मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकित पंक्तियों में से एएचएलएम–2 में निचली गांठों पर 50 प्रतिशत मादा फूल अगेते (बुवाई के 40–45 दिनों बाद) आए। विपणन योग्य स्तर पर फल कोमल, अक्षारीय, हल्के हरे, 25–30 सेमी लम्बे और 1.8–2.2 सेमी परिधि के साथ प्रति फल का भार 60–80 ग्रा. तक दर्ज किया गया। इस जननप्रकार के पौधे विपुल शाखीय और औजस्वी थे ।(**डॉ. बालू राम चौधरी**)

चित्रः तर–ककड़ी (एएचएलएम–2) की झलक

चिकनी तौरई जननद्रव्यों का अध्ययन और संरक्षण के लिए रखरखाव : चिकनी तौरई एक लोकप्रिय कद्दुवर्गीय सब्जी है परन्तु इसका गर्म शुष्क क्षेत्र में उच्च तापमान और अजैविक प्रतिदाब के अनुकूल नई प्रजाति विकास के लिए बहुत अधिक प्रयोग नहीं किया गया है। केशुबासं में वर्ष 1996–2010 तक किए गये विधिवत जननद्रव्य संग्रहण और उपयोग के परिणामस्वरूप इन जननद्रव्यों (22) को उत्पन्न किया गया और जैविक तथा अजैविक प्रतिदाब की दशा में उन्नत पंक्तियों का गुण–चित्रण और चिह्नितकरण के लिए वर्ष 2014 के दौरान अध्ययन किया गया। अनुरक्षण और संरक्षण के लिए इसके बीजों की बढ़ोतरी का कार्य भी किया गया। इस जनित जननद्रव्य सामग्री में पहले नर फूल के आने के दिनों (36.4 से 67.2 दिन), पहले नर फूल खिलने की गांठों की संख्या (4.8 से 21.4), पहले मादा फूल खिलने में लगे दिन (43.3 से 71.7 दिन), पहले मादा फूल खिलने की गांठों की संख्या (9.8 से 32.5), कोमल फलों की तुड़ाई में लगे दिन (51.6 से 88.5 दिन), कोमल फलों की लम्बाई (12.2 से 32.7 सेमी), कोमल फलों की परिधि (2.2 से 4.3 सेमी), कोमल